PAPER-III
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

J	9	1	1	3

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________
(In words)

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal / polythene bag on the booklet. Do not accept a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील / पोलिथीन बैग को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील / बिना पोलिथीन बैग की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – III

पण्हपत्तं – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **Seventy Five (75)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पंचसत्तरी (75)** बहुविकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अंक** हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. The earlier form of the Prakrit word 'देवेहि' is found in Vedic literature as
प्राकृत शब्द 'देवेहि' का प्राचीनरूप वैदिक साहित्य के इस शब्द में उपलब्ध है
(A) देवस्स (B) देवानं
(C) देवै: (D) देवेभि:

2. Apabhramśa is considered as a language of this development stage of Prakrit
प्राकृत भाषा के विकासक्रम में 'अपभ्रंश' इस युग की भाषा मानी जाती है
(A) प्रथमयुगीन (B) तृतीययुगीन
(C) मध्ययुगीन (D) आधुनिकयुगीन

3. Main source of the Modern North Indian Languages is
आधुनिक उत्तर भारतीय भाषाओं का मुख्य स्रोत है
(A) अपभ्रंश (B) वैदिक भाषा
(C) तमिल (D) पालि

4. The salient features of Prakrit language are
प्राकृत भाषा की प्रमुख विशेषताएँ हैं
(A) द्विवचन का प्रयोग
(B) ऐ एवं औ स्वरों का प्रयोग
(C) विसर्ग का अभाव और अंतिम म् का अनुस्वार
(D) चतुर्थी और षष्ठी विभक्ति में असमान शब्दरूप

5. 'शौरसेन्या अदूरत्वादियमेवार्धमागधी' - is the opinion of
यह उक्त विचार इस आचार्य के द्वारा व्यक्त किया गया है
(A) पुरुषोत्तम (B) क्रमदीश्वर
(C) मार्कण्डेय (D) चण्ड

6. The following word does not represent the Mahārāṣṭri Prakrit
निम्नलिखित शब्द महाराष्ट्री प्राकृत का नहीं है
(A) काऊण (B) रट्ठवई
(C) नयणं (D) पुलिशे

7. The representative text of 'Paiśaci' Prakrit is
'पैशाची' प्राकृत का प्रतिनिधि ग्रन्थ है
(A) आख्यानमणिकोश (B) कहाकोसु
(C) वड्ढकहा (D) कहारयणकोस

8. The word '<u>Savvñño</u>' belongs to the Prakrit
'सव्वञ्ञे' शब्द इस प्राकृत में प्रयुक्त है
(A) शौरसेनी (B) पैशाची
(C) महाराष्ट्री (D) मागधी

9. Śaurseni Āgama text are based on this early Jain text
शौरसेनी आगमग्रन्थ इस प्राचीन जैन ग्रन्थ पर आधारित हैं
(A) कसायपग्हुड (B) आचारांगसूत्र
(C) षट्खण्डागम (D) दृष्टिवाद

10. The 'Uttarādhyayanasutra' is included into this following group of Agama texts
'उत्तराध्ययनसूत्र' आगम ग्रन्थों के इस विभाग में सम्मिलित माना जाता है
(A) मूलसूत्र (B) अंगसूत्र
(C) छेदसूत्र (D) उपांगसूत्र

11. Prominent author of Sauraseni language is
शौरसेनी भाषा के प्रमुख लेखक हैं
(A) आचार्य समन्त भद्र (B) आचार्य शिवार्य
(C) आचार्य हरिभद्र (D) आचार्य स्वयम्भू

12. The work Ācārāngasūtra belongs to this category of Agama texts
आचारांगसूत्र आगम ग्रन्थों की इस श्रेणी का ग्रन्थ है
(A) प्रकीर्णक (B) मूलसूत्र
(C) अंग (D) उपांग

13. This is the besic language of Māgadhi Prakrit
मागधी प्राकृत की यह प्रकृति है
(A) पैशाची (B) अर्धमागधी
(C) शौरसेनी (D) संस्कृत

14. The Word Gakanaṁ is used for Gaganaṁ in this Prakrit language
इस प्राकृत भाषा में गगनं के लिए गकनं शब्द होता है
(A) महाराष्ट्री (B) शौरसेनी
(C) अपभ्रंश (D) पैशाची

15. The name of the commentator Śamayasāra' is
'समयसार' के टीकाकार का नाम है
(A) आचार्य अमृतचन्द्र (B) अभयदेवसूरि
(C) जीवभोगिन् (D) जिनभद्रगणि

16. The author of 'Vārasānuvekhā' is
वारसाणुवेक्खा के रचनाकार हैं
(A) नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती
(B) यतिवृषभाचार्य
(C) आचार्य कुन्दकुन्द
(D) वट्टकेर

17. Following is the division of 'Gommaṭasāra'
'गोम्मटसार' के निम्नलिखित भाग हैं
(A) जीवकाण्ड एवं मोक्षकाण्ड
(B) जीवकाण्ड एवं कर्मकाण्ड
(C) कर्मकाण्ड एवं ज्ञानकाण्ड
(D) जीवकाण्ड एवं द्रव्यकाण्ड

18. The author of the Trilokasāra is
त्रिलोकसार के रचनाकार हैं
(A) जिनचन्द्र (B) शुभचन्द्र
(C) नेमिचन्द्र (D) जिनसेन

19. The language of Cūrṇī literature is
चूर्णी साहित्य की भाषा है
(A) संस्कृत-पालि
(B) प्राकृत-हिन्दी मिश्रित
(C) संस्कृत-अपभ्रंश मिश्रित
(D) संस्कृत-प्राकृत मिश्रित

20. Commentator of the texts - Āvaśyaka, Daśavaikālika, Nandi and Anuyogadvāra is
आवश्यक, दशवैकालिक, नन्दी तथा अनुयोगद्वार पर इनकी टीका है
(A) अभयदेवसूरि (B) हरिभद्रसूरि
(C) समन्तभद्र (D) जिनभद्र

21. Number of Canonical texts in the Śvetāmbara tradition are
श्वेताम्बर परम्परा में आगमों की संख्या है
(A) 45 (B) 65
(C) 12 (D) 11

22. The subject matter of the Praśna-vyākaraṇa is based on
प्रश्न व्याकरण की विषयवस्तु इस पर आधारित है
(A) जीव-अजीव (B) बन्ध-मोक्ष
(C) आस्रव-संवर (D) पुण्य-पाप

23. Read the Unit-I and II for correct match
प्रथम एंव द्वितीय इकाइयों के सही मिलान के लिए पढ़िये -

I	II
(a) श्रीकण्ठ	(i) उसानिरुद्ध
(b) प्रवरसेन	(ii) लीलावई
(c) रामपाणिवाद	(iii) रावणवध
(d) कोऊहल	(iv) सोरिचरित

Choose the correct match from the following :
निम्नांकित में से सही मिलान चुनिये :
(A) (a) + (ii) (B) (b) + (iv)
(C) (d) + (iii) (D) (c) + (i)

24. This is not treated as a Prakrit narrative text
यह ग्रन्थ प्राकृतकथा ग्रन्थ के रूप में नहीं माना जाता है
(A) भृंगसंदेश (B) तरंगवती
(C) वसुदेवहिण्डी (D) आख्यानमणिकोश

25. The work of Uddyotanasūri is
उद्योतनसूरि की रचना है
(A) नम्मयासुन्दरीकहा
(B) आख्यानमणिकोश
(C) समराइच्चकहा
(D) कुवलयमालाकहा

26. The Hero of Kummāputtacariyaṁ is
कुम्मापुत्तचरियं का नायक यह है
(A) भीमकुमार (B) विजयचन्द्रकुमार
(C) चन्द्रकुमार (D) दुर्लभकुमार

27. The time of author Lakshamaṇagaṇi of Supāsanāhacariyaṁ is this
सुपासनाहचरियं के लेखक लक्ष्मणगणि का समय यह है
(A) दसवीं शताब्दी (B) ग्यारहवीं शताब्दी
(C) बारहवीं शताब्दी (D) तेरहवीं शताब्दी

28. Dvayāśrayakavya is written by
द्वयाश्रयकाव्य इनके द्वारा लिखा गया है
(A) वाक्पतिराज (B) प्रवरसेन
(C) हेमचन्द्र (D) देवचन्द्र

29. The work of Koūhalkavi is
कोऊहलकवि की रचना है
(A) लीलावई (B) सेतुबन्ध
(C) सिरिचिंधकत्व (D) सोरिचरित

30. 'Saṭṭaka' is named on the basis of
'सट्टक' का नामकरण इसके आधार पर होता है
(A) सूत्रधार (B) विदूषक
(C) नायक (D) नायिका

31. This book is named on the basis of clay cart
'मिट्टी की गाड़ी' के आधार पर इस ग्रंथ का नाम है
(A) लोह शकटिकम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) स्वर्णशकटिकम् (D) काष्टशकटिकम्

32. This statement is true
यह कथन सत्य है
(A) सट्टक में संस्कृत का प्रयोग होता है ।
(B) सट्टक में संस्कृत और प्राकृत का प्रयोग होता है ।
(C) सट्टक में केवल प्राकृत का प्रयोग होता है ।
(D) सट्टक में प्राकृत और अपभ्रंश का प्रयोग होता है ।

33. The main रस found in Saṭṭaka is
सट्टक में उपलब्ध प्रधान रस यह है
(A) वीर (B) श्रृंगार
(C) शोक (D) भय

34. This is the workof Śūdraka
यह शूद्रक की रचना है
(A) मुद्राराक्षस (B) आनंदसुंदरी
(C) मृच्छकटिकम् (D) कर्पूरमंजरी

35. The meaning of the word 'dhaṃmamahāmātā is
'धंममहामाता' शब्द का अर्थ यह है
(A) धर्माचार्य
(B) धार्मिक महिला
(C) धार्मिक नियमों का महामन्त्री
(D) धर्म

36. 'Devānaṃpiya' is the adjective of the name of
'देवानंपिय' यह इनका विशेषण है
(A) चन्द्रगुप्त (B) सम्राट् अशोक
(C) कनिष्क (D) बिंदुसार

37. 'Namo sava-sidhāṇaṁ' the term is used in
'नमो सव सिधानं' इस पद का प्रयोग इसमें हुआ है
(A) हाथीगुंफा अभिलेख
(B) अशोक के सप्तम अभिलेख
(C) पञ्चम अभिलेख
(D) दशवैकालिक

38. 'Kalingādhipati' is the other name of
'कलिंगाधिपति' इनका दूसरा नाम है
(A) अशोक (B) समुद्रगुप्त
(C) समुद्रविजय (D) खारवेल

39. King Khāravela spent his childhood days for
सम्राट खारवेल ने इतने समय तक कुमारक्रीड़ा में व्यतीत किया
(A) 7 वर्ष (B) 10 वर्ष
(C) 15 वर्ष (D) 12 वर्ष

40. The meaning of the word 'paṭisaṃkhāra' is
'पटिसंखार' शब्द का अर्थ है
(A) प्रतिसंख्या (B) प्रतिसंस्कार
(C) प्रतिसंहार (D) प्रतिविधान

41. This is a work of rhetorics
यह अलंकारशास्त्र का ग्रन्थ है
(A) प्राकृत लक्षण (B) देशीनाममाला
(C) अलंकारदप्पण (D) गाहा-लक्खण

42. This is not a work on prosody in Prakrit
यह प्राकृत का छन्द ग्रन्थ नहीं है
(A) कविदप्पण (B) गाहालक्खण
(C) पाइयसद्दमहण्णव (D) वृत्तजातिसमुच्चय

43. This is not a text of Prakrit Alaṁkāra.
यह प्राकृत अलङ्कार का ग्रन्थ नहीं है
(A) कादम्बरी (B) काव्यानुशासन
(C) अलंकारदर्पण (D) दशरूपक

44. This metre is related toPrakrit.
यह छन्द प्राकृत से सम्बन्धित है ।
(A) मालिनी (B) जगती
(C) पद्धडिया (D) उग्गाहा

45. 'Vṛttajātisamuccaya' was written in this century :
'वृत्तजातिसमुच्चय' इस शताब्दी में लिखा गया है
(A) आठवीं शताब्दी (B) छठी शताब्दी
(C) नवमी शताब्दी (D) दशमी शताब्दी

46. Nanditāḍhya is the author of
नन्दिताढ्य इसके लेखक हैं
(A) प्राकृतलक्षण (B) कविदर्पण
(C) गाहालक्खण (D) ध्यानलक्षण

47. Example of qualitative change is
गुणात्मक परिवर्तन का उदाहरण है
(A) इत्थी (B) सिविणो
(C) पाडिवआ (D) किवा

48. This vowel does not exist in Prakrit
इस स्वर का प्रयोग प्राकृत में नहीं होता है
(A) ए (B) ओ
(C) ऌ (D) इ

49. This sandhi is applicable in Prakrit
प्राकृत में यह सन्धि होती है
(A) स्वर सन्धि (B) विसर्ग सन्धि
(C) व्यञ्जन सन्धि (D) यण सन्धि

50. The example of changing of unvoiced to voiced consonant is
अघोष व्यञ्जन का घोष व्यञ्जन में रूपान्तरित होने का उदाहरण है
(A) रअअं (B) संपआ
(C) हुवइ (D) कणगं

51. Changing of intervocalic aspirated consonant is
अनादि एवं असंयुक्त महाप्राण व्यञ्जन का विकार इस प्रकार है
(A) रयणं (B) सभ्भिक्खू
(C) सक्कं (D) सहा

52. The example of noṃinative singular of a-ending word in Ardhamāgadhī is
अर्धमागधी में अकारान्त शब्द के प्रथमा एकवचन में परिवर्तन होने का उदाहरण है
(A) आणंदा (B) महावीरे
(C) गोयमा (D) सिवियाए

53. मिहिलं सपुरजणवयं बलमोरोहं च परियणं सव्वं ।
चिज्या अभिनिक्खंतो एगंतमहिट्ठिओ भयवं ।।
According to the above gatha he has renounced
उपर्युक्त गाथानुसार इसको वैराग्य हो गया
(A) गौतम (B) रथनेमि
(C) वर्धमान (D) नमिराजा

54. सुहं वसामो जीवामो जेसि मो नत्थि किंचण ।
मिहिलाए डज्झमाणीए न मे डज्झइ किंचण ।।
Whose statement is this ?
यह किसका कथन है ?
(A) देवेंद्र (B) केशी
(C) राजर्षि नमि (D) गौतम

55. Kunda-kunadācārya used this adjective 'Dhammassa-Kattāram for
कुंदकुंदाचार्यने 'धम्मस्सकत्तारं' विशेषण इनके लिये प्रयुक्त किया है
(A) आदिनाथ (B) शांतिनाथ
(C) नेमिनाथ (D) वर्धमान

56. "पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि"
This statement is found in
उक्त कथन इसमें उपलब्ध है
(A) प्रवचनसार (B) समयसार
(C) नियमसार (D) आचारांग

57. Number of Dravyas is
द्रव्यों की संख्या है
(A) 2 (दो) (B) 3 (तीन)
(C) 6 (छह) (D) 7 (सात)

58. The author of 'Sanmati-tarka' is
'सन्मतितर्क' का लेखक है
(A) जिनसेन (B) वीरसेन
(C) सिद्धसेन (D) जयसेन

59. 'Shastra-Parijñā' chapter is found in this text.
'शस्त्र-परिज्ञा' अध्ययन इस ग्रंथ में उपलब्ध है
(A) उत्तराध्ययन (B) आचारांग
(C) द्रव्यसंग्रह (D) प्रवचनसार

60. Characteristic of 'dravya' is
द्रव्य का लक्षण है
(A) सत् (B) असत्
(C) वित्त (D) संपत्ति

61. Another name of 'Setu-bandha' is
'सेतुबंध' का अपरनाम है
(A) रावणवध (B) रामायण
(C) सीताचरित (D) पद्मचरित

62. The time of Pravarasena is
प्रवरसेन का काल है
(A) नौवीं सदी ई. (B) तीसरी सदी ई.
(C) बारहवीं सदी ई. (D) पांचवीं सदी ई.

63. The author of सेतुबंध is
सेतुबंध का लेखक है
(A) वीरसेन (B) प्रवरसेन
(C) जिनसेन (D) गुणसेन

64. The character named Bhairavananda is found in
भैरवानंद नाम का पात्र इस ग्रंथ में है
(A) अभिज्ञानशाकुंतल (B) कुवलयमाला
(C) कर्पूरमंजरी (D) सेतुबंध

65. The Heroine of 'Mrcchakatikam' is
'मृच्छकटिकम्' की नायिका यह है
(A) प्रियंवदा (B) वसंतसेना
(C) शकुंतला (D) भैरवी

66. 'पेक्खदु अज्जो । अम्हकेरअं गेहदुआरं ।'
The above statement is found in
उपर्युक्त कथन इस ग्रन्थ में प्राप्त है
(A) णायकुमारचरिउ (B) कर्पूरमंजरी
(C) मृच्छकटिकं (D) कुवलयमाला

67. This is not called a Muktak Prakrit work
यह प्राकृत का ग्रंथ मुक्तक नहीं कहा जाता है
(A) गाहासत्तसई (B) कविदर्पण
(C) वज्जालग्गं (D) गाहारयणकोस

68. The first chapter of Uttarādhyana-sūtra is
उत्तराध्ययनसूत्र का प्रथम अध्ययन है
(A) चित्तसंभूइज्जं (B) केसीगोयम
(C) विणय (D) नमिपव्वज्ज

69. 'Chakkhaṇḍāgama' was composed by
'छक्खण्डागम' के प्रणेता का नाम है
(A) गुणधर (B) कुंदकुंद
(C) पुष्पदंत-भूतबलि (D) यतिवृषभ

70. The number of Ardhamagadhi Mūlasūtra is
अर्धमागधी मूलसूत्रों की संख्या यह है
(A) चार (B) छह
(C) ग्यारह (D) बारह

71. The author of 'Dravya-Saṅgraha' is
'द्रव्यसंग्रह' का लेखक है
(A) शुभचंद्र (B) गुणचंद्र
(C) नेमिचंद्र (D) जिनचंद्र

72. The hero of 'Karpūramañjari' drama is
कर्पूरमंजरी नाटक का नायक यह है
(A) चंडपाल (B) प्रभुपाल
(C) श्रीपाल (D) तेजपाल

73. Match each text from Part-I and its author from Part-II and
प्रथम भाग I से ग्रन्थ और द्वितीय भाग II से उसके लेखक का मिलान कीजिए और

भाग - I	**भाग** - II
(a) कुवलयमालाकहा	(i) राजशेखर
(b) द्रव्यसंग्रह	(ii) शूद्रक
(c) कर्पूरमंजरी	(iii) उद्योतनसूरि
(d) मृच्छकटिकं	(iv) नेमिचन्द्र

Choose correct answer :
सही उत्तर का चुनाव कीजिए :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

74. The works of Jineśvara-sūri are
जिनेश्वरसूरि की रचनाएँ हैं
(A) प्रमालक्ष्म, निर्वाणलीलावतीकथा, कथाकोष प्रकरण
(B) धम्मरसायण, पासनाहचरियं, जिनदत्ताख्यान
(C) वज्जालग्गं, देशीनाममाला, नागपंचमीकहा
(D) सिद्धहेमशब्दानुशासन, कुमारपालचरित, गउडवहो

75. This text is written by Achārya Siddhasena
आचार्य सिद्धसेन ने यह ग्रन्थ लिखा है
(A) द्रव्यसंग्रह
(B) णायकुमारचरिउ
(C) सन्मतितर्क प्रकरण
(D) प्रवचनसार

Space For Rough Work